न्यूज डायरी

बीजिंग में रिकार्ड बारिश ने मचाई भारी तबाही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में तूफानी बारिश हो रही है। महज 24 घंटे में 198.9 मिमी बरसात हो गई है। बीजिंग में औसत बारिश 103.9 मिमी दर्ज की गई है। लेकिन शहरी क्षेत्रों में औसत बारिश 114.8 मिमी है। एक साल में अब तक की सबसे अधिक बारिश के बाद खेल, सांस्कृतिक, अकादमिक और वाणिज्यिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। ग्लोबल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अत्यधिक बारिश के कारण राजधानी बीजिंग में जनजीवन असामान्य हो गया है। सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। ऊंची इमारतों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों में ले जाया गया है। हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। शहर में सड़कें, सबवे और बसें पूरी तरह से खाली नजर आ रही हैं। चीन की राजधानी में रविवार की रात से लगातार बारिश हो रही है। बीजिंग के लोगों ने सोमवार की सुबह आंखें खोलीं तो पूरा शहर झमाझम बरसात में सराबोर था।

सभी वैक्सीन को बराबर नहीं मानता यूरोपीय संघ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। नाइजीरिया में एस्ट्राजेनेका की दो डोज लेने वाले डाक्टर इफेन्यी एनसोफोर और उनकी वाइफ को लगता था कि अब वो यूरोप में अपनी मन चाही जगह पर जाकर इस गर्मी की छुट्टियों का लुत्फ उठा सकेंगे। लेकिन उनकी ये सोच गलत साबित हुई। ऐसा इसलिए क्योंकि इन दोनों ने जो वैक्सीन ली है उसको यूरोपीय संघ मान्यता नहीं देता है। इन दोनों के साथ ऐसे लाखों लोग हैं जिनका ये सपना सपना ही रह गया है। लाखों की संख्या में लोगों ने संयुक्त राष्ट्र के प्रयासें से मुहैया करवाई गई कोरोना वैक्सीन की खुराक ली है। इसके बाद भी उनकी यूरोप समेत दूसरे देशों में एंट्री बैन है। इसकी वजह ये है कि ये देश उन देशों में लगाई जा रही भारत और अन्य देशों की बनाई कोरोना वैक्सीन को मान्यता नहीं देते हैं।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के बढ़ रहे अत्याचार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलूचों के आए दिन गायब होने वाली वारदातों में एक और घटना जुड़ गई है। पाक की राजधानी इस्लामाबाद से लौट रहे बलूच नेता और वकील शकीर का उनके मूल निवास तुरबत से अपहरण कर लिया गया। इस घटना में आइएसआइ का हाथ बताया गया है। घटना को लेकर तमाम लोगों ने ट्विटर पर पोस्ट डालते हुए इसका जिम्मेदार पाक एजेंसियों को ठहराया है। बलूचिस्तान के मानवाधिकार संगठन का कहना है कि छात्र शकीर का आइएसआइ ने अपहरण किया है। शकीर मानवाधिकारों के संबंध में पाकिस्तान की सेना के अत्याचार को लेकर मुखर बने हुए थे। शकीर के परिवार का भी यही कहना है कि उसके अपहरण का कारण भी मानवाधिकार हनन के खिलाफ आवाज उठाना है।

चीन–अमेरिका के बढ़ते टकराव के बीच ताइवान पर बढ़ रहा संकट!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान ने कहा है कि चीन और अमेरिका के बीच बढ़ती जा रही टकराव की स्थिति से ताइवान के आसपास के क्षेत्रों में सैन्य तनाव भी बढ़ने लगा है। दोनों देशों के बीच तेजी से बढ़ रही आर्थिक और तकनीकी प्रतिद्वंद्विता के कारण पूर्वी एशिया में शांति और स्थिरता के लिए खतरा पैदा हो गया है। जापान के रक्षा क्षेत्र को लेकर जारी किए गए श्वेतपत्र में यह बात कही गई है। इसमें जापान ने कहा है कि अब इस बात की जरूरत है कि इस स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। विशेषकर तकनीकी क्षेत्र में दोनों ही देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ने वाली है। रक्षा समीक्षा को मंगलवार को जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने अपनी मंजूरी दी है। ज्ञात हो कि ताइवान के आसपास के क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां जापान के लिए भी चिंता का कारण बनी हुई हैं। ताइवान जापानी द्वीपसमूह के पश्चिमी छोर पर स्थित ओकिनावा के बिल्कुल नजदीक है।

पाकिस्तान के दोस्त तालिबान ने तुर्की को दिया बड़ा झटका

एर्दोगान का खलीफा बनने का सपना भी टूट सकता है

झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के साथ सदाबहार दोस्ती के बल पर अफगानिस्तान में बड़े मंसूबे पाल रहे तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान को तालिबान ने बड़ा झटका दिया है। तालिबान ने सोमवार को तुर्की से कहा कि वह नाटो सदस्य देश होने के नाते अफगानिस्तान को छोड़ दे। तालिबान के इस आदेश के बाद अब तुर्की की सेना और तालिबान के बीच जंग का खतरा मंडराने लगा है। यही नहीं एर्दोगान का अफगानिस्तान में खलीफा बनने का सपना भी टूट सकता है।

तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा कि तुर्की को अमेरिका के साथ 29 फरवरी, 2020 को हुए समझौते के तहत निश्चित रूप से अपनी सेना को वापस बुलाना होगा। शाहीन ने बीबीसी से कहा, सभी विदेशी सेनाओं, ठेकेदारों, सलाहकारों और प्रशिक्षकों को अफगानिस्तान से वापस लौट जाना चाहिए। शाहीन का इशारा सितंबर की डेडलाइन की

ओर था। तालिबान प्रवक्ता ने कहा कि तुर्की एक बड़ा मुस्लिम देश है और अफगानिस्तान का तुर्की के साथ ऐतिहासिक संबंध है।

एर्दोगान अफगानिस्थतान में देख रहे थे सपनाः शाहीन ने कहा कि हमें आशा है कि भविष्य में अफगानिस्थतान में तालिबान राज आने के बाद तुर्की के साथ रिश्ध्ता और ज्ध्यादा मजबूत हो जाएगा। दरअसल, तुर्की ने खुद से ही अफगानिस्थतान की राजधानी काबुल के इंटरनैशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा संभालने का जिम्मा लिया हुआ है। इसके पीछे तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान की एक महत्वाकांक्षा छिपी हुई है। दरअसल, तुर्की आर्थिक मोर्चे पर बदहाली झेल रहा है। यही नहीं कानून व्यवस्था की स्थिति भी बहुत खराब है।

ऐसे में एर्दोगान तुर्की की जनता को एक सफलता की कहानी पेश करना चाह रहे हैं। इसी वजह से एर्दोगान अफगानिस्तान में टिकना चाह रहे हैं। अपने इस मिशन के लिए एर्दोगान ने दोस्त पाकिस्तान से मदद भी मांगी थी। तुर्की की सेना के प्रमुख पिछले दिनों पाकिस्तान भी आए थे। उन्होंने अफगानिस्तान में पाक की मदद मांगी थी लेकिन अब सुहैल शाहीन के बयान से तुर्की को बड़ा झटका लगा है।

तालिबान का पाकिस्तान को करारा जवाबः इस बीच अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना के निकलने के बाद तालिबान के साथ मिलकर अपनी मनमानी करने का ख्वाब देख रहे पाकिस्तान को करारा झटका लगा है। तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने दो टूक कहा है कि पाकिस्तान संगठन पर तानाशाही नहीं चला सकता और न ही अपने विचार थोप सकता है। वहीं, शाहीन ने भारत से इस मामले में निष्पक्ष रहने की अपेक्षा जताई है और अफगानिस्तान के लोगों का साथ देने की अपील की है, न कि 'किसी थोपी हुई सरकार का।'

पाकिस्तान के जियोन्यूज को दिए इंटरव्यू के दौरान शाहीन से उन रिपोर्ट्स के बारे में पूछा गया था जिनके मुताबिक तालिबान पाकिस्तान की नहीं सुनना चाहता।

अमेरिका में रहस्यमय बीमारी से मर रहे हजारों पक्षी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्वी, दक्षिणी इलाके में हजारों की तादाद में तिलियर, नीलकंठ जैसे पक्षी रहस्यमय बीमारी से मर रहे हैं। यह एक तरह से पक्षियों के महामारी का रूप लेता जा रहा है। किसी अनहोनी के डर से अब वन्यजीव वैज्ञानिक अब इस बीमारी के कारणों का पता लगाने में जुट गए हैं। हालत यह है कि कई पक्षियों की आंख पपड़ीदार हो गई है। उनके चेहरे पर सूजन है और कई उड़ नहीं पा रहे हैं।

वन्यजीव अधिकारियों को सबसे पहले मई में अमेरिका के वॉशिंगटन, वर्जीनिया, मेरीलैंड और पश्चिमी वर्जिनिया से पक्षियों के बीमार होने और मरने की सूचना मिली थी। यूएसजीएस के मुताबिक अभी तक पक्षियों के मरने का कोई ठीक ठीक कारण नहीं मिला है। जीव विज्ञानियों को आशंका है कि हजारों की तादाद में पक्षी न्यू मैक्सिको में खाना नहीं मिलने कारण अब तक मर चुके हैं। यह पक्षी एक जगह से दूसरी जगह पर जा रहे थे।

उधर, केंटुकी में वन्यजीव विभाग लोगों से यह पूछ रहा है कि क्या उन्होंने बीमार या मरे हुए पक्षियों को देखा है। उन्होंने कहा कि तिलियर और नीलकंठ के अलावा अन्य प्रजातियों के पक्षियों की भी मौत हुई है।

दक्षिण अफ्रीका में जैकब जुमा समर्थकों ने जमकर हिंसा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा के समर्थन में भीषण दंगे हो रहे हैं और हिंसा भड़क उठी है। ये दंगाई जुमा को कोर्ट की अवमानना करने के आरोप में जेल भेजे जाने का विरोध कर रहे हैं। हालात को बेकाबू होता देख दक्षिण अफ्रीका की सेना ने जोहानिसबर्ग शहर समेत दो प्रांतों में बड़ी तादाद में सैनिकों को तैनात कर दिया है। यह दंगे ऐसे समय पर हो रहे हैं जब सुप्रीम कोर्ट ने जुमा के 15 महीने की जेल को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई शुरू कर दी है।

कोहिनूर हीरे पर भारत–पाकिस्तान में फिर छिड़ी जंग, लाहौर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाहौर। दुनिया के सबसे चर्चित हीरों में शुमार कोहिनूर को लेकर एक बार फिर से जंग छिड़ गई है। पाकिस्तान के लाहौर हाई कोर्ट में मंगलवार को एक याचिका दायर करके इस हीरे को ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय से वापस लाने की मांग की गई। याचिकाकर्ता ने कहा कि सरकार कोहिनूर को वापस लाने के लिए कदम उठाए। लाहौर हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को 16 जुलाई को अपना पक्ष रखने को कहा है।

याचिकाकर्ता वकील जावेद इकबाल ने अपनी याचिका में जोर देकर कहा है कि उसे जानकारी मिली है कि भारत

याचिकाकर्ता को 16 जुलाई को अपना पक्ष रखने को कहा

कोहिनूर को वापस लाने के लिए प्रयास कर रहा है। उन्होंने हाई कोर्ट से अनुरोध किया कि वह सरकार को कोहिनूर को पाकिस्थतान वापस लाने के लिए प्रयास तेज करने को कहे। इकबाल ने कहा कि ब्रिटेन के लोगों ने दलीप सिंह से यह हीरा छीन लिया था और उसे अपने साथ लंदन ले गए थे।

इकबाल ने कहा कि इस हीरे पर ब्रिटिश महारानी का कोई हक नहीं है और यह पंजाब की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। बता दें कि दुनिया के सबसे बड़े हीरों में से एक कोहिनूर हीरे को वापस लाने के लिए भारत भी प्रयासरत है। यह हीरा फिलहाल टावर ऑफ लंदन में प्रदर्शित राजमुकुट में लगा है। यह हीरा करीब 108 कैरेट का है।

वर्ष 2010 में तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री डेविड कैमरन ने भारत यात्रा के दौरान कथित रूप से कहा था कि यदि ब्रिटेन इस हीरे को लौटाने पर राजी हो गया तो ब्रिटिश संग्रहालय खाली मिलेंगे। भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि हीरे को ब्रिटिश न तो जबर्दस्ती ले गए और न ही उन्होंने उसे चुराया, बल्कि इसे पंजाब के शासकों द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी को उपहार के रूप में दिया गया था। इस हीरे को लाने में कई कानूनी और तकनीकी अड़चनें हैं।

अफगानिस्तान में अपराधियों को मिलेगी खौफनाक सजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान एक बार फिर से तालिबान के क्रूर शासन की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। तालिबान के लड़ाकू बेहद क्रूर तरीके से अफगान सैनिकों की गोली मारकर हत्या कर रहे हैं और देश के 85 फीसदी इलाके पर कब्जा करने का दावा कर रहे हैं। इस बीच कई तालिबानी जजों ने खुलासा किया है कि उनके राज में अब इस्लामिक शरिया कानून लागू होगा और समलैंगिकों को खौफनाक मौत दी जाएगी। तालिबानी जजों ने कहा कि समलैंगिकों के ऊपर दीवार गिराकर उनकी हत्या कर दी जाएगी। एक तालिबानी जज ने ऐसी–ऐसी सजा के खुलासे किए हैं कि जिसे सुनकर दिल दहल जाएगा। जज गुल रहीम ने जर्मन अखबार बिल्ड के साथ बातचीत में कहा कि चोरी करने की सजा के रूप में अपराधियों के हाथ और पैर काट दिए जाएंगे। यही नहीं मध्य अफगानिस्तान में तालिबान के नियंत्रण वाले इलाकों में महिलाओं को घर से बाहर निकलने के लिए परमिट लेना होगा।